

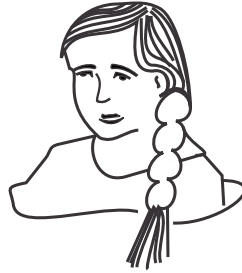
आपका जीवन मुल्यवान है। आइए, हम और आप मिलकर इसकी हिफाजत करें।

आपकी जिंदगी में ऐसे बहुत से क्षण आते हैं, जब आप निराश, अकेला और बेसहारा महसूस करती हैं। अपनों से प्यार की कमी महसूस होती है, और इन हालातों का सामना करने का हौसला टूट जाता है।

चमकीली

आँखोंवाली, पर परेशान लता बोली, "घर में बार बार होनेवाले झगड़ों की जड़ मेरी एक नवयुवक से दोस्ती थी।

घर में इस झगड़े से तनाव बढ़ गया। बात मारपीट, हाथापाई पर उतर आई, तब मुझसे सहा नहीं गया। इन परेशानियों से छूटकारा पाने के लिए मैंने फिनाइल पी लिया।"



बीस बरस की नवेली

दुल्हन कविता बोली, "ससुरालवालों की बात-बात पर होनेवाली मारपीट से मैं तंग आ गयी थी। पति के बरताव से निराश, मुझे ऐसा महसूस होने लगा कि, मेरा जीवन अर्थहीन है। ऐसा लगा की अपनी जिंदगी खत्म करने से ही मुझे छूटकारा मिलेगा।"



तेइस वर्षीय युवा माँ,

नुरा बोली, "हमारी दो साल की बच्ची बीमार रहती थी उसके बारे में मेरे पति की लापरवाही देखकर मैं सुन्न हो गई। पति का कामकाज छूट जाने से मैं और भी परेशान थी, तब मैं बेकाबू हो गयी और यह कदम उठा लिया।"



अपनी जान लेने के परिणाम बहुत हानीकारक हो सकते हैं। इससे आपकी सेहत पर बुरा असर हो सकता है और यह गैरकानूनी है।

मगर निराशा, उदासीनता की चौखट से दुबारा जिंदगी बुला रही थी। इस नयी जिंदगी को जीने के लिए, अब एक वजह मिल गयी थी। आइए, सुनिए, इन औरतों की कहानी इनकी जुबानी।

"मेरे माता-पिता

का साथ और विश्वास ने मेरा हौसला बढ़ाया, मेरी मायूसी दूर कर दी। बुरे हालात से लड़ने का साहस मिल गया।"



"मैं मुड़कर

देखती हूँ तो ये महसूस होता है कि मैं गलत सोच रही थी, मैं अपनी किमती जिंदगीको गँवा बैठने की गलती कर रही थी।"



"सही वक्त पर

मिली डॉक्टरी मदत से मेरी जान बच गयी और मैं आज मेरी बेटी के लिए जिंदगी को दुबारा जी रही हूँ। आपने मुझे दिलासा और हौसला देकर मेरी उम्मीद बढ़ाई है।"



आपकी जिंदगी में ऐसे अनेक क्षण आ सकते हैं जब पैसों की कमी हो सकती है। ससुरालवाले या पति आपको परेशान कर सकते हैं, या फिर कोई कठिन परिस्थितियाँ भी उभर सकती हैं।

आपकी जिंदगी में आनेवाली इन कठिन परिस्थितियों के लिए आप अकेली जिम्मेदार नहीं हैं। याद रखिए कोई भी कठिन परिस्थिती आपकी जिंदगी से बड़ी नहीं है।

इन कठिन क्षणों में हमारा हौसला और सहन करने की शक्ति टूट जाती है। इस शक्ति और हौसले को बढ़ाया जा सकता है। आप अपना हौसला और विश्वास फिर से पा सकती हैं। आइए हम और आप मिलकर हमारी इन मुश्किल हालातों का सामना करने की उम्मीद जुटाए।

दिलासा में आइए और अपनी परेशानियाँ हमसे बाँटिए। आप अकेली नहीं हैं। हम आपके साथ हैं। हमसे संपर्क करें।



दिलासा - स्त्री अत्याचार निवारण केंद्र

बांद्रा: विभाग क्र. १०१, गायनक ओ.पी.डी., के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-५०
फोन (डायरेक्ट): २६४००२२९ भाभा: २६४२२७७५/२६४२२५४१ विस्तार-४३७६ ई-मेल: dilaasamumbai@gmail.com
समय: सोम. से शुक्र. - सुबह ९.०० से शाम ४.००, शनि. - सुबह ९.०० से दोपहर १२.००
कुर्ला: के. बी. भाभा म्यूनिसिपल अस्पताल, बेलग्रामी रोड, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-७०
फोन: २६५००२४१ विस्तार-२१२, समय: बुध. और गुरु. - सुबह ९.०० से शाम ४.००